दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 02 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 154

महत्वपूर्ण एवं खास

कार दुर्घटना में महासमुंद के 6 लोगों की उड़ीसा में मौत

महासमुंद (आरएनएस)। उड़ीसा- महासमुंद बॉडर में हुए सडक़ हादसे में महासमुंद के छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इस हादसें में चार पुरूष एक महिला तथा एक बच्चे की मौत हुई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार से शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के महासमुंद से एक परिवार महाशिवरात्री के अवसर पर उड़ीसा के नरसिंगनाथ मंदिर दर्शन करने गया हुआ था जहां से वे मंगलवार तडक़े कार क्रमांक सीजी 06 जीएफ 2753 से लौट रहे थे इसी दौरान उड़ीसा के जोंक थाना क्षेत्र के पास सुबह करीब साढ़े 3 बजे उनकी कार नुआपाड़ा बरगढ़ रोड एक्सप्रेस वे में अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। कार इतनी तेज रफ्तार से पेड़ से टकराई कि मौके पर ही कार में सवार एक बच्चा एक महिला सहित छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर पहुंची उड़ीसा पुलिस ने सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बारातियों से भरी बस पलटी, तीन लोगों की मौत

अम्बिकापुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में सोमवार बीती देर रात भीषण सडक़ हादसा हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक 4 साल का बच्चा भी शामिल है। 6 से ज्यादा लोग घायल हैं। इनमें 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बस बारातियों को लेकर वापस लौट रही थी। इसी दौरान अचानक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा रघुनाथपुर चौकी क्षेत्र में हुआ है। सिकिलमा निवासी सी कमल खलखो की बारात सोमवार सुबह नानदमाली गांव गई थी। दूल्हा किसी कार में सवार होकर गया था। बाराती बस से नादनमाली गांव गए थे। बस में महिलाएं और बच्चे भी थे। पता चला है कि विदाई के बाद सभी रात को 10 से 11 के बीच लौट रहे थे। उसी दौरान अंबिकापुर-रायगढ़ नेशनल हाईवे 43 में लालमाटी गांव के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में मौके पर ही एक बच्चे और 16 साल की लडक़ी की मौत हो गई थी कई लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना पुलिस को भी दी गई थी। तब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची थी।

वायु सेना के विमानों में लाया जाएगा यूक्रेन से छात्रों को वापस

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने के काम में तेजी के लिए सरकार ने ऑपरेशन गंगा में वायु सेना के परिवहन विमानों को शामिल करने का निर्देश दिया है। उच्च पदस्थ आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल यूक्रेन में मानवीय सहायता सामग्री ले जाने के लिए भी किया जाएगा। ये विमान भारत से राहत सामग्री लेकर जाएंगे और लौटते समय वहां से भारतीय छात्रों को वापस लेकर आएंगे। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह निर्णय लिया है कि छात्रों को वापस लाने के काम में तेजी लाने के लिए वायु सेना का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके लिए वायु सेना के विमानों का ऑपरेशन गंगा में इस्तेमाल किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि वायु सेना इसके लिए अपने विशाल मालवाहक विमानों सी-17 का मंगलवार से ही इस्तेमाल करेगी। इन विमानों को ऑपरेशन करना में शामिल करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि इनमें एक साथ बड़ी संख्या में छात्रों को वापस लाया जा सकता है। इसे यह कार्य कम समय में पूरा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में अपने चार मंत्रियों को यूक्रेन से लगते पड़ोसी देशों में भेजने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य सडक़ मार्ग से यूक्रेन से पड़ोसी देशों में पहुंचने वाले छात्रों को आसान और सुरक्षित तरीके से स्वदेश लाना है।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए तीन मार्च से खुलेगा दलाईलामा मंदिर

धर्मशाला (आरएनएस)। बौद्ध आस्था का केंद्र दलाईलामा मंदिर दो साल बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए तीन मार्च से खुल जाएगा। धर्मगुरु दलाईलामा के निजी सचिव सेटन सामदुप ने लिखित में इसकी सूचना जारी की है। सामदुप के मुताबिक अभी सिर्फ दलाईलामा मंदिर को खोला जा रहा है। दुनिया भर के लिए बौद्ध आस्था का केंद्र दलाईलामा मंदिर दो साल बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए तीन मार्च से खुल जाएगा। धर्मगुरु दलाईलामा के निजी सचिव सेटन सामदुप ने लिखित में इसकी सूचना जारी की है।

ऑपरेशन गंगा : यूक्रेन में फंसे 182 भारतीयों को लेकर मुंबई पहुंची 7वीं फ्लाइट, केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने किया रिसीव

मुंबई (आरएनएस)। यूक्रेन पर रूस लगातार मिसाइल हमलें कर रहा है। दोनों के युद्ध के बीच हजारों की संख्या में फंसे भारतीय को निकालने के लिए केंद्र सरकार ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है। इसी के तहत यूक्रेन में फंसे 182 भारतीय नागरिकों को लेकर सातवीं फ्लाइट मंगलवार सुबह बुखारेस्ट (रोमानिया) से मुंबई पहुंची। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मुंबई हवाई अड्डे पर भारतीय छात्रों की अगवानी की।

ऑपरेशन गंगा की आठवीं उड़ान भी बुडापेस्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गई है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा कि हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक हमारे भारतीय नागरीक सुरक्षित नहीं हैं। इस बीच, यूक्रेन संकट पर सोमवार शाम को उच्च स्तरीय बैठक में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूरी सरकारी मशीनरी चौबीसों घंटे काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां सभी भारतीय सुरक्षित हैं।

यूक्रेन में मौजूदा स्थिति पर दिन के दौरान प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में यह दूसरी उच्च स्तरीय बैठक थी। इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह सहित विशेष दूत क्रेन में चल रहे रूसी सैन्य अभियानों के बीच फंसे भारतीयों की निकासी के समन्वय के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों की यात्रा करेंगे।

आज दिल्ली आएंगे 7 विमान, भारत ने कई एयरलाइन्स की 20 फ्लाइट को तैनात किया

ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से फंसे भारतीयों को लेकर कल सात उड़ानें दिल्ली में उतरेंगी। कुल नौ उड़ानें पहले ही यूक्रेन से फंसे भारतीय नागरिकों को वापस ला चुकी हैं। इंडिगो एयरलाइंस की पहली उड़ान मंगलवार शाम हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से उड़ान भर रही है और कल सुबह 7:20 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरेगी। इंडिगो की उड़ान में 216 यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। सूत्रों के अनुसार, बुडापेस्ट, रेजजो और बुखारेस्ट से दिन भर उड़ानें चलेंगी और कल देर शाम तक दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरेंगी। केंद्र सरकार ने एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और स्पाइस जेट से लगभग 20 फ्लाइट को तैनात किया है। इन एयरलाइनों के अलावा, एयरफोर्स को यूक्रेन के पड़ोसी देशों से भारतीयों को निकालने के लिए भी कहा गया है

एयर इंडिया के विमान 250 यात्रियों को ले जाने की क्षमता रखती हैं, इसके अलावा एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में 180, जबकि इंडिगो के विमानों में 216 यात्री सवार हो सकते हैं।

केंद्र सरकार ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से फंसे छात्रों और भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन गंगा शुरू किया है। एयर इंडिया द्वारा ऑपरेशन गंगा के तहत विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि देश द्वारा शुरुआती सलाह जारी किए जाने के बाद से 8,000 से अधिक भारतीय नागरिक यूक्रेन छोड़ चुके हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि छह निकासी उड़ान भारत में लगभग 1,400 नागरिकों को वापस ला रही हैं।

इस बीच, यूक्रेन संकट पर सोमवार शाम एक उच्च स्तरीय बैठक में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूरी सरकारी मशीनरी चौबीसों घंटे काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां सभी भारतीय सुरक्षित हों।

खाने को रोटी न जेब में पैसा, हिमाचल के विद्यार्थियों ने छह किमी पैदल चलकर पकड़ी ट्रेन

यूक्रेन में जंग के बीच फंसे हिमाचली छात्र-छात्राओं के परिजनों की चिंता बढ़ गई है। जैसे-जैसे यूक्रेन-रूस के बीच युद्ध तेज हो रहा है, वैसे-वैसे परिजनों का दिल बैठ रहा है। शिमला की छात्रा अनुष्का कुठियाला, अदिति और मंडी जिला के करसोग के छात्र शिवांश सहित कई छात्र-छात्राएं वहां फंसे हुए हैं। व्हाट्सएप के जरिये इन विद्यार्थियों की बीच-बीच में परिजनों से बात होती है। छात्र-छात्राओं के अनुसार वहां न खाने को रोटी है और न ही जेब में पैसा बचा है। पानी-बिस्कुट से गुजारा हो रहा है। मदद के इंतजार में 24 फरवरी से ये अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन में छिपे हुए थे। इंतजार से थक-हारकर इन्होंने खुद ही हिम्मत जुटाकर बाहर निकलने की योजना बनाई। मंगलवार सुबह ये सभी अंडर ग्राउंड मेट्रो स्टेशन से निकले और छह किलोमीटर पैदल चलकर पोलैंड बॉर्डर के समीप लबीब शहर के लिए ट्रेन पकड़ी। व्हाट्सएप मैसेज में इन छात्र-छात्राओं ने बताया है कि 13 घंटे बाद लबीब पहुंचेंगे। अनुष्का के पिता राजीव कुठियाला और माता गीता कुठियाला ने बताया कि अभी तो संपर्क हो पा रहा है, मगर बच्चों का वतन लौटने का रास्ता इतना आसान नहीं है। लबीब में सुबह छह बजे ट्रेन पहुंचेगी। उसके बाद बच्चों को यह भी मालूम नहीं कि आगे उन्हें कैसे जहाज मिलेगा।

6 मई प्रात: 6 बजकर 25 मिनट पर खुलेंगे भगवान केदारनाथ के कपाट

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। महाशिवरात्रि पर भगवान केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि वैदिक पूजा अर्चना व पारंपरिक रीति रिवाज के के साथ तय की गई। केदारनाथ के कपाट खोलने की तिथि आज शीतकालीन गद्दीस्थल ओम्कारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में घोषित की गयी। हक हकूकधारी, वेदपाठी, मंदिर समिति के पदाधिकारी, तीर्थ पुरोहित की मौजूदगी में पंचांग गणना के अनुसार तिथि की घोषणा की गई।

केदारनाथ की डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओम्कारेश्वर मंदिर से 2 मई को रवाना होगी। 3मई को बाबा की डोली फाटा, 4मई को गौरीकुंड और 5 मई को केदारनाथ में रात्री प्रवास करेगी। 6 मई को सुबह 6 बजकर 25 पर कपाट आम भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

इस वर्ष धाम में पूजाओं के लिए नियुक्त किए गए पुजारी-

एम टी गंगाधर लिंग-केदारनाथ धाम।
शिवशंकर लिंग-मद्महेश्वर मंदिर
शिव लिंग- ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ
शशिधर लिंग-विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी
बागेश लिंग अतिरिक्त पुजारी।

आज से केदारनाथ की यात्रा तैयारियां भी हुई शुरू।

इस अवसर पर श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, उपाध्यक्ष किशोर पंवार, सदस्य आशुतोष डिमरी, श्रीनिवास पोस्ती, भास्कर डिमरी, मंदिर समिति के अधिकारी गण गिरीश चंद्र देवली राजकुमार नौटियाल, आरसी तिवारी, राकेश सेमवाल, डा हरीश गौड़, केदारनाथ के विधायक मनोज रावत आदि मौजूद थे।

रूस-यूक्रेन युद्ध : बस में तिरंगे की छाँव देख भारतीय छात्रों को नहीं किया परेशान

❑ रोमानिया,हंगरी और पोलैंड की सीमा पर हजारों छात्र पहुंचे

कानपुर (आरएनएस)। खारकीव में कानपुर के सात विद्यार्थी समेत तीन हजार से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं। इन्हें अभी तक मदद नहीं मिल पाई है। खारकीव के भूमिगत मेट्रो स्टेशन में फंसी दर्शनपुरवा फजलगंज निवासी एमबीबीएस छात्रा जेनसी ने अपने भाई भरत को बताया कि रविवार रात यूक्रेनी सेना ने काफी देर तक तालियां बजाई थीं। संभवत:वह रूसी सेना के जवानों को खदेडऩे का जश्न मना रहे थे।

इसके बाद सोमवार सुबह खारकीव मेडिकल विवि की ओर से मैसेज आया कि छात्राएं जहां कहीं हैं,विवि के हास्टल पहुंचें। तब वह अपनी सहेलियों के साथ निकलीं। निकलते ही गोलीबारी होने लगी तो वापस लौट आईं और दोपहर बाद सन्नाटा होने पर दोबारा मेट्रो स्टेशन से निकलकर विवि के हास्टल पहुंचीं, जहां उनके लिए खाने-पीने का इंतजाम किया गया है। उन्होंने बताया कि हालात तनावपूर्ण हैं और अब परमाणु हमले का खतरा बताया जा रहा है।

कल्याणपुर आवास विकास में रहने वाली सृष्टि यादव डेनिप्रो मेडिकल विवि से एमबीबीएस कर रही है। सृष्टि ने बताया कि यूक्रेन के समय के मुताबिक सुबह 11:30 बजे उन्हें 100 भारतीय छात्रों के साथ बस से रोमानिया के लिए रवाना किया गया है। बस में आगे और पीछे भारतीय झंडा लगाया गया है। रास्ते में जगह-जगह मिसाइल हमले और बमबारी के निशान नजर आते हैं। सैकड़ों इमारतें धराशायी हो चुकी हैं। किसी को भी बस से बाहर देखने या शोर मचाने की मनाही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में मिसाइलों और रॉकेटों से लगातार किये जा रहे हमलों के बीच हास्टल,फ्लैट और बंकर में फंसे भारतीय छात्र-छात्राएं भारतीय दूतावास का निर्देश मिलते ही पड़ोसी देशों की ओर रवाना हो गए। रोमानिया,हंगरी और पोलैंड की सीमा पर हजारों छात्र पहुंच चुके हैं। यहां लंबी कतार लग गई है।

बस पर आगे लगाया तिरंगा झंडा

यूक्रेन से भारत लौटे कानपुर के नौबस्ता योगेंद्र विहार के रहने वाले अमन कुमार शर्मा ने बताया कि,हम लोग भारत का झंडा फहराते हुए निकले और अपनी बस पर आगे की ओर झंडा लगा लिया। ऐसा करने से हमको किसी ने परेशान नहीं किया। अमन उजाहोर्ड नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का छात्र है। अमन के अनुसार वहां माहौल तनावपूर्ण था,लेकिन कोई भी धमाका या हिंसा नहीं हुई। शाम सात से सुबह 10 बजे तक कर्फ्यू लग जाता था, बाहर निकलना मना था।

हिमाचल में फिर बारिश-बर्फबारी के आसार, 100 से अधिक सड़कें अभी भी ठप

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में बीते दिनों हुई बर्फबारी से अभी भी 100 से अधिक सडक़ें ठप हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की ओर जारी रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार शात छह बजे तक प्रदेश में 170 सडक़ें यातायात के लिए बाधित थीं। वहीं 10 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हैं। वहीं, चंबा-तीसा मार्ग चांजू के पास देर रात भूस्खलन से बंद हो गया। सडक़ बंद होने से वाहनों की लंबी लाइन लग गई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने एक-दो स्थानों व तीन मार्च को अधिकांश भागों में बारिश-बर्फबारी की संभावना जताई है। तीन मार्च को अंधड़ चलने का भी येलो अलर्ट जारी किया है। चार व पांच मार्च को सभी क्षेत्रों में मौसम खराब बना रहने का पूर्वानुमान है। सोमवार रात को केलांग में न्यूनतम तापमान माइनस 8.2, कल्पा में माइनस 0.4, शिमला 6.3, सुंदरनगर 5.4, भुंतर 5.9, धर्मशाला 6.2, ऊना 8.8, नाहन 9.8, पालमपुर 5.5, सोलन 5.2, मनाली 2.2, कांगड़ा 9.0, मंडी 7.2, बिलासपुर 7.5, हमीरपुर 7.8, चंबा 8.1, डलहौजी 5.6, कुफरी 3.8, जुब्बड़हट्टी 8.0 और पांवटा साहिब में 9.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

फरवरी महीने में सामान्य से 24 फीसदी बारिश कम- वहीं, प्रदेश में फरवरी के दौरान सामान्य से 24 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड हुई। एक से 28 फरवरी तक प्रदेश में 78.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। इस अवधि में 102.8 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है। बिलासपुर, कुल्लू, मंडी, सिरमौर और सोलन जिला में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हुई। जबकि चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, किन्नौर, लाहौल एवं स्पीति, शिमला और ऊना में सामान्य से कम बादल बरसे। सिरमौर जिला में सबसे अधिक सामान्य से 65 फीसदी, सोलन में 31, कुल्लू में 32, बिलासपुर में 11, मंडी में पांच फीसदी अधिक बारिश हुई। चंबा-हमीरपुर में सामान्य से 31 फीसदी, कांगड़ा में 32, किन्नौर में 55, लाहौल-स्पीति में 38, शिमला में चार और ऊना में सात फीसदी कम बारिश दर्ज हुई। उधर, जनवरी 2022 में सामान्य से 92 फीसदी अधिक बारिश दर्ज हुई थी।

चुनाव के मद्देनजर भारत नेपाल सीमा सील : अलर्ट मोड में सुरक्षा एजेंसियां

महराजगंज (आरएनएस)। यूपी विधानसभा चुनाव जिले में छठे चरण के पांचों सीटों पर तीन मार्च को मतदान होना है। जिसके मद्देनजर भारत-नेपाल बार्डर को सुरक्षा की दृष्टि से मतदान शुरू होने के 72 घंटे पहले सीमा सील कर दोनों तरफ के आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इस दौरान किसी को भी सीमा पार करने की अनुमति नहीं मिलेगी। गुरुवार को शाम मतदान खत्म होने के बाद सीमा पर आवागमन बहाल होगा।

मिली जानकारी के अनुसार छठे चरण में पांचों विधानसभा सीटों पर तीन मार्च को मतदान होना है। जिसे निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा 28 फरवरी की शाम सील कर दी गई। नेपाल जोडऩे वाले सभी कच्चे, पक्के मार्ग, पगडंडियों पर निगरानी के लिये सुरक्षा बल तैनात हैं।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येन्द्र कुमार द्वारा बताया गया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन के क्रम में मतदान से पूर्व 72 घण्टों के लिए स्टैण्डर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर में विहित प्रावधानों के तहत मतदान समाप्ति तक सील रहेगी । जनपद की सीमाओं के महत्वपूर्ण स्थलों पर नाका स्थापित किये जाएंगे तथा शत-प्रतिशत चेकिंग सुनिश्चित करायी जायेगी ।

महाशिवरात्रि पर विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर मंदिर में उमड़ी भीड़

उज्जैन (आरएनएस)। महाशिवरात्रि पर्व पर आज मध्यप्रदेश के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध भगवान महाकालेश्वर मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रतिदिन तडक़े होने वाली भस्म आरती के बाद हजारों दर्शनार्थियों ने दर्शन किए। भूतभावन बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में महाशिवरात्रि पर्व पर अलग ही उल्लास देखा जा रहा है। यहाँ महाशिवरात्रि पर्व विवाहोत्सव के रूप में मनाई जा रही है और मंदिर के विशाल परिसर को विवाह मंडप के रूप में सुसज्जित किया गया है।

महाकालेश्वर मंदिर पवन समिति के अनुसार महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान महाकालेश्वर मंदिर के पट रात्रि ढाई बजे खोल दिए गए और भस्म आरती के साथ दर्शनार्थियों का दर्शन का सिलसिला जारी है। मंदिर में उसके बाद से भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए भक्तों की उमड़ रही है। दूल्हा बने बाबा महाकाल का जलाभिषेक और पंचामृत अभिषेक कर भांग से मनमोहक श्रृंगार किया गया है और उन्हें भस्म अर्पित कर आरती की गयी। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने राजाधिराज बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किये। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पंक्ति में लगकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और यह सिलसिला जारी है।

महाशिवरात्रि पर्व के पूर्व कल रात से बाबा महाकाल के दर्शन के लिए देश विदेश की दर्शनार्थियों का आने का सिलसिला शुरु हो गया था और मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है। इस दौरान मन्दिर प्रबंध समिति और पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी को दर्शन कराने की व्यापक व्यवस्था की गयी है।

महाशिवरात्रि पर सुदर्शन पटनायक ने बनाई भगवान शिव की 9 फीट ऊंची मूर्ति, 23436 रुद्राक्ष का किया इस्तेमाल

भुवनेश्वर (आरएनएस)। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर 23,436 रुद्राक्ष मोतियों के साथ भगवान शिव की एक अनूठी मूर्ति बनाई है। उन्होंने भगवान शिव की 9 फीट ऊंची और 18 फीट चौड़ी स्थापना रेत की मूर्ति बनाई है (जैसा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है)। उसके साथ में उन्होंने लिखा, हम शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

पटनायक ने करीब 12 टन रेत का इस्तेमाल किया और इस मूर्ति को बनाने में छह घंटे का समय लगा और पहली बार उन्होंने अपनी रेत कला पर रुद्राक्ष का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, आजकल युद्ध चल रहा है। इसलिए, हम भगवान शिव से वैश्विक शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। सुदर्शन हर बार रेत पर कुछ नया करने की कोशिश करते है। पिछली बार उन्होंने सब्जियों, लाल गुलाब आदि का इस्तेमाल किया था। इस बार उन्होंने इस मूर्ति के लिए रुद्राक्ष का इस्तेमाल किया।

अब तक पद्म श्री पुरस्कार विजेता रेत कलाकार ने दुनिया भर में 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय रेत मूर्तिकला प्रतियोगिताओं और समारोहों में भाग लिया है और देश के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। हालांकि उनकी कला, सुदर्शन ने वैश्विक शांति, ग्लोबल वार्मिंग, आतंकवाद को रोकने, एचआईवी/एड्स और कोरोना आदि जैसे सामाजिक संदेश भेजने की कोशिश की। इस बीच, कोरोना दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने के साथ भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर सहित राज्य भर के विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही बड़ी संख्या में भक्तों का आना शुरू हो गया है। लिंगराज मंदिर समिति ने तय किया कि रात 10 बजे महादीपा को मंदिर के ऊपर रखा जाएगा। 11वीं सदी के मंदिर में श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश के लिए पैंतीस प्लाटून पुलिस बल और 100 से अधिक अधिकारियों को तैनात किया गया है।